



यदि इन जीवों की बात किसी ऐसे इंसान के सामने रखी जाए जो पाँच सौ साल पहले इस धरती पर जी रहा था, तो उसकी प्रतिक्रिया क्या होगी? [23]

00000://000.00000000.000/00000?0=030000000180 फ़ाज़िल सुलैमान

हालाँकि अक़ल सृष्टिकर्ता एवं उसके कुछ गुणों का पता लगा सकती है, परन्तु उसकी एक सीमा है। हो सकता है कुछ बातों की हिकमत का पता लगा ले और कुछ का नहीं। जैसे कोई भी व्यक्ति किसी भौतिक वैज्ञानी जैसे आइंस्टीन के दिमाग की हिकमत का पता नहीं कर सकता है।

"अल्लाह के लिए उच्च उदाहरण हैं, अल्लाह को पूरे तरीके से जान लेने का दावा करना अज्ञानता है। आपको मोटरगाड़ी समुद्र के किनारे तक ले जा सकती है, मगर आपको उसमें चलने के लिए समर्थ नहीं बना सकती। यदि आपसे पूछा जाए कि समुद्र में कितने लीटर पानी है और आप किसी एक संख्या में जवाब दें, तो आप अज्ञान हैं, और यदि कहें कि मुझे नहीं मालूम, तो ज्ञानी हैं। अल्लाह की जानकारी का एक मात्र रास्ता ब्रह्मांड में मौजूद उसकी निशानियाँ तथा कुरआन की आयतें हैं।" [24] शैख़ मुहम्मद रातिब अल-नाबुलसी की बातों की कुछ बातें।

इस्लाम में ज्ञान के स्रोत कुरआन, सुन्नत और विद्वानों की सम्मति (इजमा) हैं। जबकि विवेक कुरआन एवं सुन्नत, तथा उस सही विवेक से प्रमाणित बात के अधीन है, जो वह्य के विरुद्ध न हो। अल्लाह तआला ने विवेक को इस तरह बनाया है कि वह ब्रह्मांड में मौजूद निशानियों एवं महसूस चीज़ों के द्वारा सही मार्ग तलाश करे, जो वह्य की वास्तविकताओं की गवाही दे, न कि उससे टकराए।

"क्या उन्होंने नहीं देखा कि अल्लाह ही उत्पत्ति का आरंभ करता है, फिर उसे दुहरायेगा? निश्चय ये अल्लाह के लिए बहुत आसान है। (हे नबी!) कह दें कि चलो-फिरो धरती में, फिर देखो कि उसने कैसे उत्पत्ति का आरंभ किया है? फिर अल्लाह दूसरी बार भी पैदा करेगा। वास्तव में, अल्लाह हर चीज़ का सामर्थ्य रखता।" [25] "फिर उसने अपने बन्दे की ओर वह्य की, जो वह्य की।" [19-20]

[सूरा अल-अंकबूत : 19-20] एक बुद्धिमान व्यक्ति वह है जो हर चीज़ को समझने की कोशिश करता है, और एक मूर्ख व्यक्ति वह है जो समझता है कि वह हर चीज़ को समझता है।

[सूरा अल-नज्म : 10] ज्ञान के बारे सबसे अच्छी बात यह है कि उसकी कोई सीमा नहीं है। हम ज्ञान के समुद्र में जितनी डुबकी लगाएंगे, उतना ही दूसरे ज्ञान प्राप्त करते जाएंगे। परन्तु हम कभी भी पूरा ज्ञान प्राप्त नहीं कर सकते।

"(हे नबी!) आप कह दें : यदि सागर मेरे पालनहार की बातें लिखने के लिए स्याही बन जाए, तो निश्चय सागर समाप्त हो जाएगा इससे पहले कि मेरे पालनहार की बातें समाप्त हों, यद्यपि हम उसके बराबर और स्याही ले आएँ।" [27] सृष्टिकर्ता अपनी किसी सृष्टि के आकार में क्यों प्रकट नहीं होता ?

ඉස්ලාමය පිළිබඳ ප්රශ්න හා පිළිතුරු

විමර්ශනය: [විමර්ශනය: // 000.000-000000.000/00/00/0000/6/](#)

විමර්ශනය විමර්ශනය: [විමර්ශනය: // 000.000-000000.000/00/00/0000/6/](#)

විමර්ශනය 400 00 විමර්ශනය 2026 02:42:58 00